हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 184 देहरादून, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

जोशीमठ भू-धंसाव में एक-एक मिनट बहुत महत्त्वपूर्ण : मुख्य सचिव

5

जोशीमठ मुद्दे पर नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी और मुख्यमंत्री की बैठक में मंथन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) के अधिकारियों एवं सदस्यों ने भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री से जोशीमठ भू धसांव से उत्पन्न स्थिति के बाद राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में चर्चा की। सभी ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जोशीमठ भू धसांव क्षेत्र में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों के प्रयासों की सराहना की तथा मुख्यमंत्री को जोशीमठ क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थिति एवं भूधसांव के कारणों की जांच तथा आपदा राहत में केंद्रीय मदद का भरोसा दिया।

एनडीएमए सदस्यों का सुझाव था कि भूधसांव क्षेत्र में पानी कहां रूका हुआ है तथा भूधसांव के कारण क्या हैं, इसका पता लगाया जाना जरूरी है। इसके लिये सभी संबंधित संस्थानों के वैज्ञानिकों का सक्रिय सहयोग लिया जायेगा ताकि समस्या का समाधान हो। साथ ही आपदा पीड़ितों के पुनर्वास हेतु चयनित स्थलों का भी भूगर्भीय सर्वेक्षण पर ध्यान दिया जाय। इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी कार्य योजना बनाये जाने तथा इस संबंध में सभी संस्थानों द्वारा दी गई रिपोर्टों पर की जाने वाली कार्यवाही एक छत के नीचे हो ताकि अध्ययन रिपोर्टों का त्वरित लाभ प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एनडीएमए के अधिकारियों एवं सदस्यों से भू धसांव क्षेत्र की भूगर्भीय तथा अन्य आवश्यक जांच में सभी संबंधित संस्थाओं के समन्वय के साथ कार्य योजना में सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने उत्तराखण्ड के अन्य शहरों की धारण क्षमता के आकलन हेतु भी आवश्यक वैज्ञानिक शोध एवं परीक्षण आदि की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ का सांस्कृतिक, पौराणिक के साथ सामरिक महत्व भी है। यह बदरीनाथ का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि इस शहर को उसके पूर्व स्वरूप में लाने के लिये हमें समेकित प्रयासों की जरूरत रहेगी। राज्य सरकार युद्ध स्तर पर आपदा पीड़ितों की मदद की जा रही है। किसी भी पीड़ित को कोई कठिनाई न हो तथा उन्हें सभी अवश्यक सुविधायें मिले इसके निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर सचिव गृह मंत्रालय डी. एस. गंगवार, संयुक्त सचिव एस के जिंदल, एनडीएमए के सदस्य कमल किशोर, ले. ज. से.नि. सैयद अता हसनैन, कृष्ण वत्स, राजेन्द्र सिंह के साथ अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मत्स्य पालन के क्षेत्र में राज्य में प्रबल संभावनाएं : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी उचित मार्केटिंग की व्यवस्था भी की जाए। लोगों की आजीविका को बढ़ाने के लिए मत्स्य पालन के क्षेत्र में राज्य में प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का मत्स्य पालकों को अधिक से अधिक लाभ मिले। राज्य में मत्स्य पालन को और तेजी से बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा 05 लक्ष्य तय किये जाएं, उनको फोकस करते हुए समयबद्धता के साथ आगे कार्य किये जाएं। राज्य में मछली की खपत के अनुरूप उत्पादन हो इस दिशा में भी तेजी से प्रयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर विभाग यह सुनिश्चित करें कि विज्ञान और तकनीक के आधार पर कार्य किये जाएं। कार्यों में आधुनिकतम तकनीक को अपनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन योजनाओं में केन्द्र एवं राज्य का अंश 90 एवं 10 के अनुपात में हो उनको अधिक प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि उधमसिंहनगर में राज्य स्तरीय इण्टीग्रेटेड एक्वापार्क के निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही जल्द पूर्ण की जाए। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना से भी अधिक से अधिक मत्स्य पालकों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि तालाबों के निर्माण से उनमें मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है, वहीं जल संरक्षण की दिशा में भी यह सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि कलस्टर बनाकर तालाबों का निर्माण किया जाए और उनके माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाए। मत्स्य पालन के क्षेत्र में जिन राज्यों में अच्छा कार्य हो रहा है, उनमें से कुछ कार्य बैस्ट प्रैक्टिस के रूप में किये जाएं।

मत्स्य पालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पिथौरागढ़ के डुंगरी ग्राम में कलस्टर के आधार पर तालाबों का निर्माण कराया गया है, जो मॉडल काफी सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा एंग्लिंग टूरिज्म पर भी कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालकों को मार्केट लिंकेज एवं कोल्ड चैन के विकास की ओर अधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत है। राज्य में ट्राउट फार्मिंग को तेजी से बढ़ावा दिया गया है। ट्राउट फार्मिंग के लिए राज्य में 40 से अधिक मत्स्य जीवी सहकारी समितियां कार्य कर रही हैं।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि राज्य में पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी के क्षेत्र में क्या बेहतर हो सकता है, इसके लिए उन्होंने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड एवं सिंगापुर का अध्ययन भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान न्यू साउथ वेल्स, राज्य कृषि मंत्री आस्ट्रेलिया के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। आस्ट्रेलिया में भेड़ पालकों द्वारा अपनाई जा रही तकनीक तथा आधुनिक भेड़ पालन विधि को उत्तराखण्ड में अपनाने एवं राज्य के पशुपालकों को प्रशिक्षण व कौशल विकास के लिए उनसे सहयोग का अनुरोध किया गया।

वेलिंगटन न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायुक्त नीता भूषण एवं सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त पी. कुमारन के साथ बैठक हुई। उनके साथ राज्य के युवाओं को रोजगार तथा व्यवसाय की संभावनाएं तलाशने पर चर्चा हुई।

सचिव मत्स्य बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम ने कहा कि राज्य में 02 हजार लोग प्रत्यक्ष रूप से मत्स्य पालन से जुड़े हैं। राज्य में 40 एग्लिंग साइड पर कार्य करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 71.03 करोड़ रूपये एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 48.79 करोड़ के प्रोजक्ट स्वीकृत हुए हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, अपर सचिव अरूणेन्द्र चौहान, योगेन्द्र यादव उपस्थित थे।

लोहड़ी से जुड़ी हैं ये 4 परंपराएं जानिए रोचक बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , पंजाब का नाम सुनते ही बड़े-बड़े सरसों के खेत, लहराती फसलें और खुशमिजाज लोगों का ख्याल मन में आता है। पंजाब में कई विशेष त्योहार भी मनाए जाते हैं जो सबसे अलग होते हैं। ऐसा ही एक त्योहार है लोहड़ी (Lohri 2023)। ये त्योहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस बार मकर संक्रांति 15 जनवरी को होने से लोहड़ी 14 जनवरी, शनिवार को मनाई जाएगी। इस त्योहार से कई परंपराएं (tradition of lohri) जुड़ी हैं, जो इसे खास बनाती हैं। आज हम आपको इस त्योहार से जुड़ी कुछ खास परंपराओं के बारे में बता रहे हैं...

लोहड़ी के गीत

मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर गांव या परिवार के लोग एक स्थान पर इकट्ठा होते हैं और इस मौके पर एक-दूसरे के पैर छूकर लोहड़ी की बधाइयां देते हैं। परिवार के बुजुर्गों बच्चों की खुशहाली के लिए कामना करते हैं। इस मौके पर कुछ खास गीत गाए जाते हैं, जो लोहड़ी के इस पर्व को और अधिक विशेष बना देते हैं। इन गीतों को सुनकर हर कोई खुश हो जाता है।

लोहड़ी के पारंपारिक नृत्य : लोहड़ी के मौके पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में वाद्ययंत्रों पर लोकनृत्य किया जाता है। पुरुष जहां भांगड़ा नृत्य करते हैं वहीं महिलाएं गिद्दा नृत्य की प्रस्तुति देते हैं। ये पंजाब के लोकनृत्य हैं जो खास मौके जैसे लोहड़ी और वैसाखी पर ही किए जाते हैं। इन लोकनृत्य में पंजाब की विशेष शैली देखने को मिलती है।

अग्नि को समर्पित करते हैं तिल : लोहड़ी के दौरान आग जलाई जाती है और तिल, मूंगफली आदि अग्नि को समर्पित किया जाता है। इस परंपरा के पीछे माना जाता है कि लोग अग्निदेव को प्रसन्न करने के लिए ये काम करते हैं। अग्नि को समर्पित करने के बाद इन्हीं चीजों को प्रसाद के रूप में बांटा और खाया भी जाता है।

याद करते हैं इस पंजाबी योद्धा को : लोहड़ी के मौके पर दुल्ला भट्टी को जरूर याद किया जाता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, दुल्ला भट्टी एक मुस्लिम राजपूत थे, जो मुगलों के अत्याचारों का विरोध करते थे। उन्होंने कई हिंदू लड़कियों का विवाह करवाया। इसी वजह से दुल्ला भट्टी को नायक की उपाधि से सम्मानित किया जाने लगा।

गले की खराश को हल्के में न लें, हो सकता है टॉन्सिल कैंसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , ठंड के दिनों में या इन्फेक्शन के कारण गले में खराश होना एक आम समस्या है। लेकिन यह टॉन्सिल कैंसर का लक्षण भी हो सकता है, जो गले में पनपने वाली एक घातक बीमारी है। टॉन्सिल कैंसर एक प्रकार का ऑरोफरीन्जियल कैंसर है। यह कैंसर टॉन्सिल में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण होता है। टॉन्सिल Immune System का हिस्सा हैं और गले के पीछे दो अंडाकार पैड होते हैं।अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, टॉन्सिल कैंसर 60 पुरुषों में से एक को और 140 महिलाओं में से एक को प्रभावित करता है। टॉन्सिल कैंसर हाल ही में बढ़ गया है। प्रारंभिक

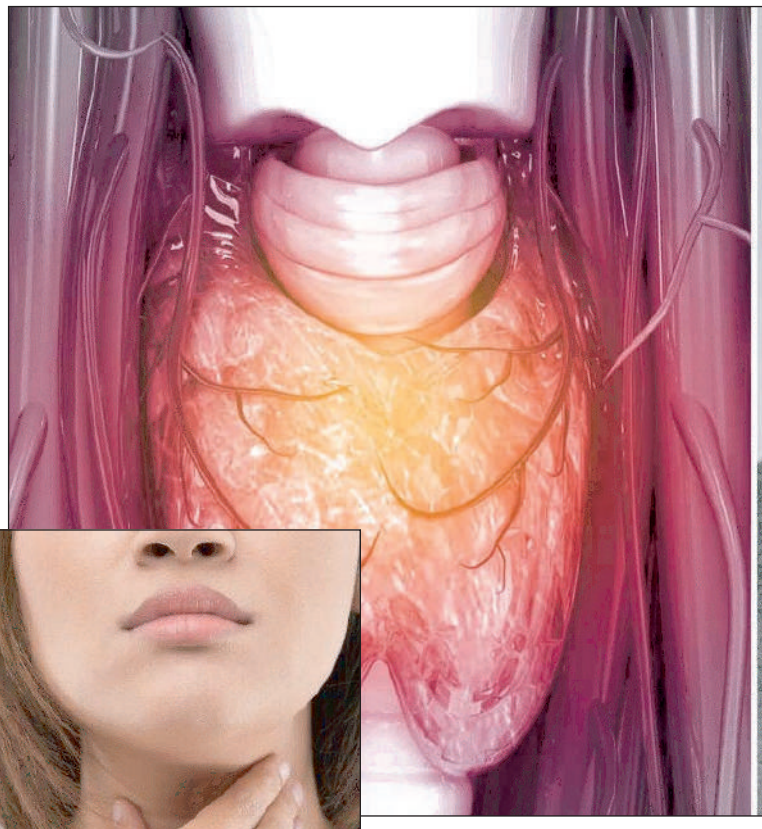

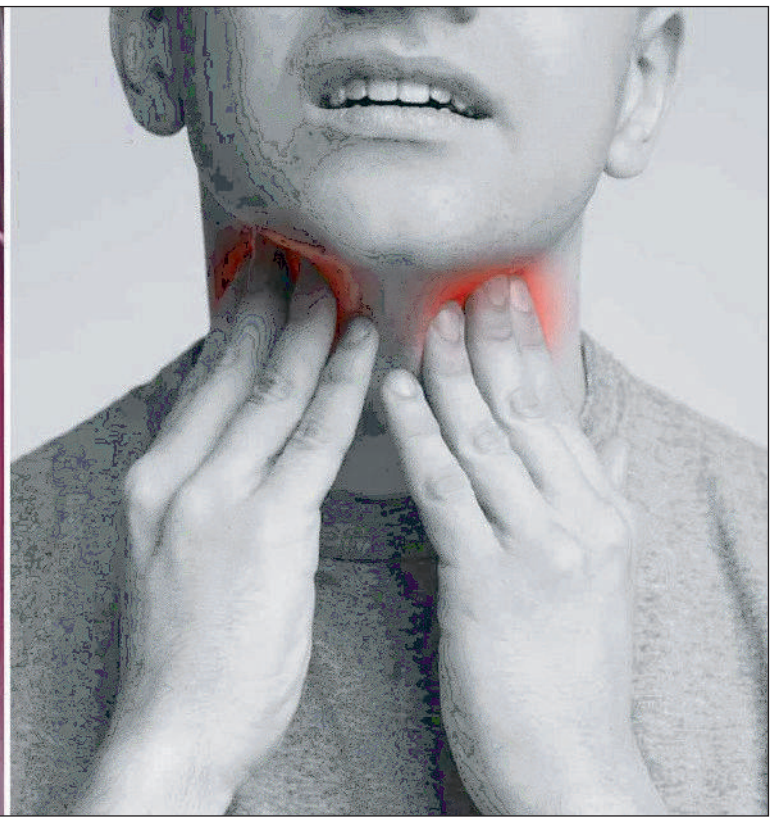

अवस्था में कैंसर का इलाज शुरू करने से मृत्यु का खतरा कम हो जाता है। ऐसे में इसके लक्षण और बचाव के उपाय जानना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। अगर हमें किसी भी बीमारी के लक्षण पता हों तो हम समय रहते उन लक्षणों को पहचान कर डॉक्टर से संपर्क कर उसका निदान और उपचार कर सकते हैं। यह टॉन्सिल कैंसर पर भी लागू होता है। आइए जानें कि टॉन्सिल कैंसर के शुरुआती लक्षण क्या हैं!

भोजन निगलने में कठिनाई
गले में खराश होना
गले में सूजन और दर्द
कान में दर्द
जबड़े में दर्द के साथ खून का रिसाव
आवाज में बदलाव
गर्दन में एक गांठ
सांसों में बदबू आनाटॉन्सिल कैंसर के कारण

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, शोध में एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) को टॉन्सिल कैंसर का कारण पाया गया है। इसके साथ ही तंबाकू और शराब के अधिक सेवन से भी इस कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इन कारणों को ध्यान में रखें और ऐसे काम करने से बचें जिससे आप टॉन्सिल कैंसर से खुद को बचा सकें या ऐसा होने पर इसके पीछे के कारणों की पहचान कर सकें।

टॉन्सिल कैंसर किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। आमतौर पर यह बीमारी 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों सामान्य है। वहीं महिलाओं की तुलना में पुरुषों में टॉन्सिल कैंसर का खतरा चार गुना अधिक होता है।

इसके अलावा अश्वेतों की तुलना में गोरे लोगों को टॉन्सिल कैंसर होने की संभावना थोड़ी अधिक होती है। इसलिए 50 की उम्र के बाद अपना और खासकर अपने गले का ख्याल रखना जरूरी है। टॉन्सिल कैंसर का इलाज उसके स्टेज और ट्यूमर के आकार पर निर्भर करता है। ऐसे में सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इससे टॉन्सिल कैंसर पर काबू पाया जा सकता है

जोशीमठ में व्यापारियों के नुकसान पर चिंतन बैठक में मंथन : सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। देहरादून में प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के नेतृत्व में उत्तराखण्ड के अंतर्गत जोशीमठ क्षेत्र में लगातार बढ़ते जा रहे भू-धसांव को अन्देखा कर लगातार विस्फोटकों के जरिए एनटीपीसी कम्पनी द्वारा सुरंग का निर्माण एवं जोशीमठ क्षेत्र की नींव पर बन रहे बाईपास निर्माण के चलते जोशीमठ नगर के अस्तित्व संकट के संदर्भ पर व उससे हो रही स्थानीय क्षेत्रवासियों की भारी जानमान की हानि व्यापारियों के व्यापार पर पडे बुरे असर तथा व्यापारी वर्ग किस प्रकार से आम जनमानस का सहयोग कर सकता है एवं प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के त्रिवर्षीय चुनाव/प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी की घोषणा जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर एक बड़ी बैठक का आयोजन हुआ।

जोशीमठ विषय को लेकर बैठक के दौरान राज्य/केन्द्र सरकार से कई मांग राखी गयी है आइये आपको बताते हैं - एनचीपीसी के द्वारा किए जा रहे सुरंग निर्माण के सारे कार्य सुरंग कार्य तुरंत रोक दिए जांए।जोशीमठ नगर की नींव में बन रहेहेलंग मारवाड़ी के बाईपास को तुरंत रोक दिए जाए। एनटीपीसी को पूर्व में किए समझौते के पालन के लिए सरकार निर्देशित करे जिसके तहत जोशीमठ के समस्त घर मकानों का बीमा किया जाना था साथ हीएनटीपीसी की सुरंग को इस भू-धसांव के एक कारक को तौर पर जिम्मेदार मानते हुए जोशीमठ क्षेत्र के लोगो को हुए नुकसान की भरपाई हेतु निर्देशित किया जाए। भू-धसाव के कारण बेघर हो रहे लोगों की तुरंत विस्थापन पुनर्वास की व्यवस्था की जाए एवं जिनके घरों की क्षति हुई है उनकी क्षतिपूर्ति वर्तमान बाजार दर पर की जाए। उत्तराखण्ड सरकार की वर्तमान विस्थापन एवं पुनर्वास नीति में संशोधन किया जाए विस्थापन नीति के बजाय लोगों को केदारनाथ आपदा के समय किये क्षतिपूर्ति प्रावधानों के आधार पर मुआवजा दिया जाए।

संपूर्ण जोशीमठ क्षेत्र के घर मकानों के यथाशीघ्र सर्वेक्षण किया जाये। जोशीमठ बैठक के उपरांत प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल के चैयरमेन अनिल गोयल ने कहा कि प्रांतीय उद्योग प्रतिनिधि मण्डल एक गैरराजनैतिक एवं लोकतांत्रिक संगठन है जिसमें त्रिवार्षिक चुनाव होते है इस बार का चुनाव देहरादून में होगा। अनिल गोयल ने पिछली टीम का धन्यवाद कर उनके कार्यों की सराहना की और साथ ही यह भी घोषणा कि कि आने वाले समय में तुरंत संगठन चुनाव प्रक्रिया में जा रहा है तत्पश्चात व्यापारी हितो के पुरोधा और व्यापार मण्डल के संस्थापक सदस्य सुभाष कोहली ने इस बात का प्रस्ताव रखा कि 19 में से 5 जिलाध्यक्ष यहां प्रेसवार्त्ता में उपस्थित हैं और अन्य जिलाध्यक्षों से दूरभाष के माध्यम से यह तय हुआ है कि व्यापारी हितों की रक्षा के लिए और प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल को पुनःनई ऊंचाईयों पर पहूंचाने के लिए षह अति आवश्यक है और सर्व सम्मत है कि आदरणीय अनिल गोयल जी ही एक बार फिर प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी हौं।

इसी क्रम में कैलाश केशवानी ने कहा कि प्रदेश व्यापार मंडल को फिर से नई ऊंचाईयों पर पहूंचाने के लिए अनिल गोयल को पुनः संगठन के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ना चाहिए। इस दौरान विपिन नागलिया, सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, विजय कोहली, राकेश महेन्द्रू, जहमोहन रावत, मीत अग्रवाल, इकबाल हुसैन, अनुपम गुलाटी, सुनिल माटा, राजेश बडोनी, अक्षत जैन, अमित वर्मा, सचिन कर्णवाल, कमलेश अग्रवाल, फतेह चंद गर्ग, आदेश मंगल, आशीष मित्तल, नरेश गुप्ता, अनिल गौड़, अनिल जैन, गोविन्द थापा, राजेन्द्र ढिल्लो, धर्मपाल सिंह चौहान, कैलास कैसवानी, राजीव परासर, सुरेश गुलाटी, राजीव नैय्यर, विजय शर्मा, प्रेम वल्लभ खण्डूड़ी, प्रमोद गोयल, सौरभ भूषण शर्मा, विशतौष जी, सुभाष कोहली, श्रवण जैन, नरेश अग्रवाल, प्रतीक कालिया, ललित मोहन मिश्रा आदि व्यापारी वर्ग उपस्थित रहै।

बेटियों के बीच अफसर बिटिया, कार्यक्रम में डीएम सोनिका बेटियों का बढ़ाया हौसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा ''बेटी बचाओ, बेटी पढाओ'' कार्यक्रम के अन्तर्गत बेटियों के बीच अफसर बिटिया, कार्यक्रम में जिलाधिकारी सोनिका द्वारा ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में कॉलेज में अध्यनरत छात्राओं/बालिकाओं से संवाद किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया तथा उनके मन में चल रही शंकाओं का भी समाधान किया। ''बेटी बचाओ, बेटी पढाओ'' भ्रमण कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड चकराता, कालसी, विकासनगर, सहसपुर, रायपुर, डोईवाला की 34 छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इससे पूर्व आज छात्राओं को लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी मसूरी का भ्रमण भी कराया गया।

जिलाधिकारी ने छात्राओं के सवालों का जवाब देते हुए उनकी शंकाओं को भी दूर किया। इस दौरान छात्रा सुरभि सुभारती कालेज, काजल आईटीआई कालेज, गायत्री डीएवी कालेज तथा स्वाति आदि छात्राओं ने जिलाधिकारी ने संवाद किया। जिलाधिकारी ने छात्राओं से संवाद करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए पढाई और भविष्य पर ध्यान देने की बात कही साथ ही कहा कि आप ये मत सोचो की कोई आपके बारे में क्या बोल रहा है आप अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। सफलता में शार्टकट नहीं होते इसलिए मेहनत करें सफलता जरूर मिलेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि तकनीकी का इस्तेमाल आगे बढने के लिए करें किन्तु इनके आदि न बने। जिलाधिकारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अपने आप को किसी से कम न समझे किन्तु अति आत्मविश्वास से बचें। कई छात्राओं ने कहा कि कई बार आत्मविश्वास नही हो पाता कि हम कर पाएंगें, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि खुद पर विश्वास करें आशा रखें तथा हिम्मत न हारें, यही सफलता के राज है। कई बार ऐसा होता है कि हमे सफलता जल्दी नहीं मिल पाती किन्तु हताश न हो प्रयास करते रहें सफलता जरूर मिलेगी। कालेज की छात्राओं ने सवाल किया कि सिविल सर्विस में जाने के लिए कोचिंग की आवश्यकता है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसा नहीं है सिविल सेवा में निकलने के लिए कोचिंग जरूरी है, 50 प्रतिशत छात्र/छात्राएं बिना कोचिंग के सिविल सेवा चयनित होते हैं, इसके लिए डिसिप्लेन की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि अपनी स्वयं की सुरक्षा का ध्यान रखें, कहा कि यदि किसी छात्रा को कोई समस्या हो, कोई परेशान करे तो संकोच न करें अपने माता/पिता से साझा करें, स्थानीय सीडीपीओ को बतायें सीधे उनसे(

जिलाधिकारी से), मुख्य विकास अधिकारी से, मजिस्टेट से समस्या बताएं। साथ ही जिलाधिकारी ने बालिकाओं को स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पौष्टिक भोजन लेने तथा स्वंय की स्वच्छता का ध्यान रखने को कहा। जिलाधिकारी ने छात्राओं को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया साथ ही अन्य छात्रओं को भी अच्छा करने के लिए प्रेरित करने की अपेक्षा की।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, संयुक्त मजिस्टे^{a}ट वरूणा अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास मोहित चैधरी, सीडीपीओ सहसपुर देव थपलिया, सीडीपीओ शहर शिखा कण्डवाल सहित विभिन्न विकासखण्ड से आई छात्राएं आंगबाड़ी सुपरवाईजर उपस्थित रही।

स्वर्गीय पिता को याद कर भावुक हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

महार रेजिमेंट के पूर्व सैन्य अधिकारियों से मिलकर भावुक हुए सीएम धामी, याद आये पिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 महार रेजिमेंट के स्थापना दिवस के अवसर पर रेजिमेंट के पूर्व सैन्य अधिकारियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने पूर्व सैन्य अधिकारियों से भेंट के दौरान अपने स्व. पिता को याद कर भावुक नजर आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल्यकाल में जब वे अपने (स्वर्गीय) पिताजी से महार रेजिमेंट के वीर सैनिकों की शौर्य गाथाओं के बारे में सुनते थे तो मन में उत्साह और उमंग की भावना पैदा होने लगती थी। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें आप सभी वीर सैनिकों से मुलाकात का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, ₹आप ने मेरे स्व. पिता के साथ कार्य किया है आप में मुझे अपने पिता की छवि नजर आ रही है। मैंने जीवन में अनुशासन फौज से ही सीखा है। मेरा बचपन सेना के साथ बीता है। आपस में आदर का भाव प्रेरणा एवं सहयोग की भावना हमारी सेना की पहचान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां एक ओर महार रेजिमेंट विविधता में एकता की भावना का बोध कराती है वहीं इसका प्रत्येक सैनिक भारत की महान संस्कृति व गौरवशाली सैन्य परंपरा का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सेना के मान और सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज हमारे वीर सैनिक दुश्मन को उसके घर में घुस कर जवाब दे रहे हैं। जब भी दुश्मन ने ललकारा है भारत ने उसे मुंह तोड़ जवाब देते हुए दिखा दिया है कि उसके पास ताकत भी है और उचित जवाब देने की राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है। सैनिकों द्वारा किए जाने वाले त्याग और उनकी राष्ट्र सेवा

के ऋण को हम कभी नहीं चुका सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वह सेना में तो नहीं हैं परन्तु वीर सैनिकों को अपना आदर्श मानकर राष्ट्र सेवा में अपना यथासंभव योगदान देने की पूरी कोशिश कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के सैन्य कौशल और पराक्रम का इतिहास महार रेजिमेंट के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्येक सैनिक की वीरता, साहस और बलिदान पर हर एक नागरिक को गर्व है। आप सभी हमारे आदर्श हैं और आपकी वीरता,साहस और अपराजेयता पर इस राष्ट्र को अभिमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक आप सभी हैं, आपका ये हौसला है, आपका ये त्याग और तपस्या है। कोई मां भारती के गौरव को हानि नहीं पहुंचा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में आज देश को जी-20 की अध्यक्षता का मौका मिला है। इसकी दो बैठकें उत्तराखंड में भी होनी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश सैन्य पृष्ठभूमि का प्रदेश है। सैनिकों के कल्याण के लिये राज्य सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी कदम उठाये गये हैं। इस अवसर पर पूर्व सैन्य अधिकारी सू.मे. प्रद्युम्न सिंह, आ. कै. सूरज मणि, ओम नारायण, रोशन लाल, केदार सिंह सहित बड़ी संख्या में अन्य पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

क्या करेंसी नोटों पर लिखने से वो अमान्य हो जाते हैं ? जानिए पूरा सच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , बैंक नोट (Banknote) पर कुछ भी लिखने से वह अमान्य नहीं होता है। वह कानूनी रूप से मान्य है। हालांकि भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) लोगों से अपेक्षा करता है कि वे करेंसी नोटों (Currency notes) पर कुछ भी न लिखें क्योंकि यह उन्हें ख़राब करता है और उसकी अवधि को कम करता है। इसलिए अगर आपको 2000 रुपये, 500 रुपये, 200 रुपये, 100 रुपये, 50 रुपये या 20 रुपये के नोट मिलते हैं, जिन पर कुछ लिखा हुआ है, तो आप उन्हें बिना किसी डर के वैध मान सकते हैं। सरकार के आधिकारिक फैक्ट चेकर पीआईबी फैक्ट चेक (PIB Fact Check) ने सोशल मीडिया (Social media) पर प्रसारित किए जा रहे एक फर्जी दावे का जवाब दिया है। फर्जी मैसेज में दावा किया गया कि आरबीआई की नई गाइडलाइंस के मुताबिक नए नोटों पर कुछ भी लिखने से वे अमान्य हो जाते हैं।

फेक मैसेज में क्या दावा किया गया है, जानिए

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मैसेज में कहा गया है, "भारतीय रिजर्व बैंक (Reserve Bank of India) के नए दिशानिर्देशों के अनुसार नए नोटों पर कुछ भी लिखने से नोट अमान्य हो जाता है और यह अब लीगल टेंडर नहीं रहेगा।" उपरोक्त दावे को फर्जी बताते हुए

पीआईबी फैक्ट चेक ने ट्वीट करते हुए लिखा, "नहीं, लिखे हुए बैंक नोट अमान्य नहीं हैं और कानूनी मुद्रा बने रहेंगे।"

क्या कहता है Reserve Bank of India, जानिए

Reserve Bank of India की स्वच्छ नोट नीति के तहत उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे करेंसी नोट पर कुछ भी न लिखें क्योंकि यह उसके लाइफ को कम करता है। पीआईबी ने कहा, "क्लीन नोट पॉलिसी के तहत लोगों से आग्रह किया जाता है कि वे करेंसी नोटों पर न लिखें क्योंकि इससे नोट खराब होते हैं और उनकी लाइफ कम होती है।" नोटों के बारे में महत्वपूर्ण बातें, जानें

बैंक काउंटर पर बदल सकते हैं नोट

गंदे और कटे-फटे करेंसी नोटों को बैंकों के काउंटरों पर आसानी से बदला जा सकता है। इसी तरह सिक्कों और छोटे मूल्यवर्ग के नोटों को भी बैंकों में स्वतंत्र रूप से बदला जा सकता है। इसके बदले में आप नए सिक्के या नोट हासिल कर सकते हैं।

जोशीमठ भू-धंसाव में एक-एक मिनट बहुत महत्त्वपूर्ण : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव को देखते हुए हमारे लिए एक-एक मिनट बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोगों को अविलम्ब सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में जोशीमठ भू-धंसाव के सम्बन्ध में शासन में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर यह निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्र को अविलम्ब खाली कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, लोगों को जिस स्थान पर शिफ्ट किया जा रहा है, वहां पेयजल आदि की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि पेयजल विभाग को भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र में टूटी पेयजल लाईनों, सीवर एवं विद्युत लाईनों आदि को भी दुरूस्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि भू-धंसाव के कारण पेयजल की टूटी लाइनों से भू-धंसाव बढ़ने और विद्युत लाईनों से प्रभावित क्षेत्र में जानमाल का नुकसान न हो इसके लिए लगातार क्षेत्र पर नजर बनाए रखते हुए उच्चाधिकारियों को भी क्षेत्र में बने रहने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने भू-धंसाव क्षेत्र में टॉ इरोजन को रोकने के लिए आज से ही कार्य शुरू किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन भवनों में दरारें आ चुकी हैं और जर्जर हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र ध्वस्त किया जाए ताकि वे भवन और अधिक नुकसान न करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेषज्ञों आदि को प्रभावित क्षेत्र में पहुंचने में समय न लगे इसके लिए चॉपर से पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने मैन पावर को बढ़ाकर कार्यों को शीघ्र पूर्ण किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव नितेश झा एवं डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा सहित अन्य सभी सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

बड़ा फैसला : अब हज यात्रा में मिलेगी यह बड़ी सुविधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , सऊदी अरब अब हज यात्रियों को बड़ी सुविधा देने जा रहा है। सऊदी अरब ने फैसला किया है कि विदेशी व्यक्तिगत तीर्थयात्री अब हज के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वीजा आवेदन कर सकेंगे। सऊदी के मंत्रालय ने कहा है कि नुकुस प्लेटफॉर्म के जरिए आवेदन किया जा सकेगा। सऊदी अरब हर साल होने वाली हज यात्रा के लिए व्यक्तिगत तीर्थयात्रियों को इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के जरिए वीजा आवेदन की अनुमति देने की योजना बना रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्रालय ने कहा कि नुसुक प्लेटफॉर्म के जरिए देश के बाहर से आने वाले व्यक्तिगत हज यात्रियों के लिए जल्द ही सेवा शुरू की जाएगी।

इसके साथ ही मंत्रालय ने घोषणा की कि सऊदी में रहने वाले नागरिक और मुस्लिम प्रवासी जो इस साल हज में हिस्सा लेना चाहते हैं वे तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

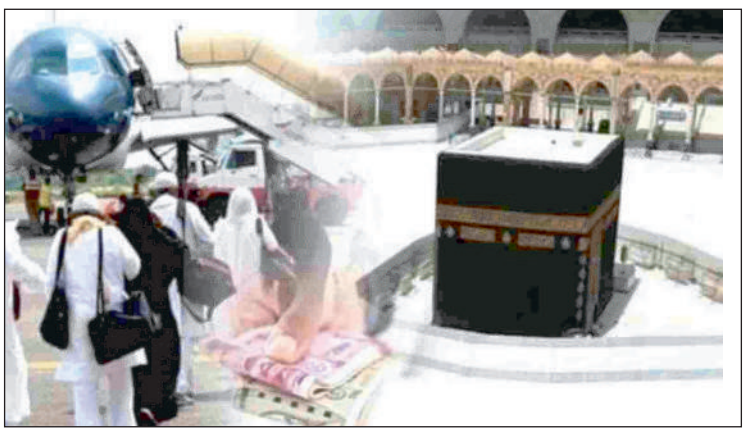

मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि हज 2023 के लिए सऊदी में रहने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आवेदन शुरू हो गया है। सऊदी में रहने वाले लोग मंत्रालय की वेबसाइट localhaj.haj.gov.sa या नुसुक एप्लिकेशन के जरिए आवेदन कर सकते हैं। घरेलू तीर्थयात्रियों को हज के लिए अनुमोदित होने के बाद एक ऑनलाइन लॉट्री के जरिए चुना जाएगा। nusuk.sa प्लेटफॉर्म मूल रूप से मुस्लिमों को उमराह के लिए वीजा और अन्य परमिट दिलाता है। इसके साथ ही सऊदी अरब के अन्य पवित्र स्थलों पर जाने की इच्छा रखने वालों को सक्षम बनाता है।

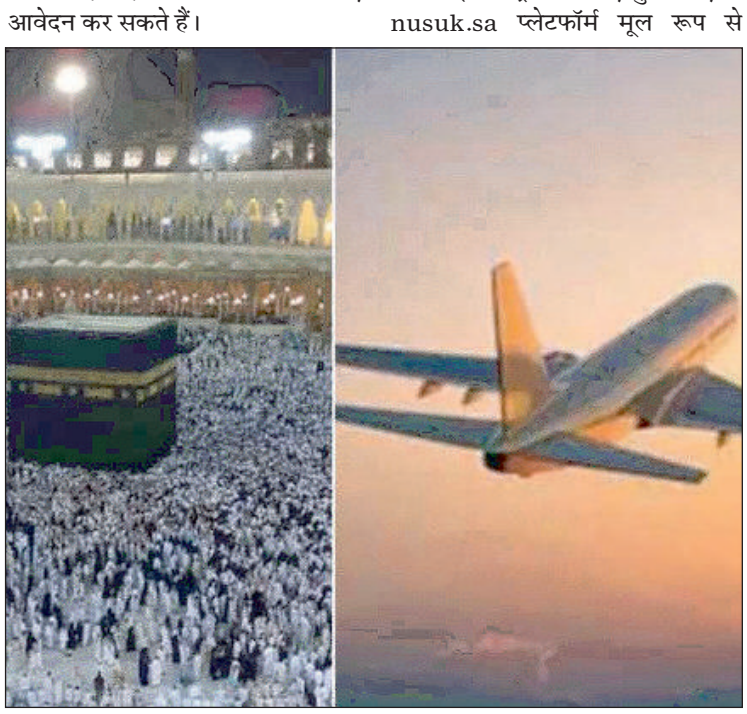

40 लाख विदेशी आए पिछले साल

मंत्रालय ने कहा कि पांच देशों से उमराह के लिए बायो फिंगरप्रिंटिंग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस दिया जाएगा। इन देशों में ब्रिटेन, ट्यूनीशिया, बांग्लादेश, मलेशिया और कुवैत शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि उसने पिछले साल 70 लाख उमराह तीर्थयात्रियों को अपनी सेवाएं दी थीं। इनमें से 40 लाख लोग विदेशी थे। सऊदी अरब ने हाल के महीनों में हज और उमराह के लिए आने वाले मुस्लिमों के लिए कई सुविधाओं की शुरुआत की है। पिछले साल अक्टूबर में मंत्रालय ने महिलाओं को बिना पुरुष अभिभावक के हज करने की इजाजत दी, जिसे महरम के रूप में जाना जाता है। लेकिन इसमें शर्त थी कि वह महिलाओं के समूह के साथ हों।

सऊदी अधिकारियों ने उमराह वीजा को भी 30 दिनों से बढ़ा कर 90 दिन कर दिया है। वीजा जमीनी, वायु और समुद्री मार्ग से यात्रियों को देश में आने की इजाजत देगा। सऊदी ने हाल ही में अपने नागरिकों को विदेश में रह रहे दोस्तों को देश में आने और उमराह करने के लिए आमंत्रित करने की अनुमति दी है।

एसडीआरएफ चीफ मणिकांत मिश्रा और एसपी प्रमेन्द्र डोभाल जोशीमठ में प्रभावितों का बढ रहे हौसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 9 , जनवरी। पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल व कमांडेंट एसडीआरएफ मणिकान्त मिश्रा ने जोशीमठ क्षेत्र के आपदा प्रभवित स्वी गांव में भू धंसाव और दरारों से प्रभावित हुए मकानों का जायजा लिया । दोनों अफसरों ने इस दौरान चिंता में जीवन व्यतीत कर रहे परिवारों से मिलकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया और आश्वासन दिया कि इस मुश्किल घड़ी में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है। इस दौरान उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह भी साथ रहे ।

चलने का तरीका बताता है इंसान का स्वभाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , अगर आपके बारे में मुझे कुछ समझना है तो आपकी चलने की स्टाइल ज्योतिष शास्त्र में व्यक्ति के की कुंडली में स्थित ग्रहों का विश्लेषण उसके नेचर और करियर के बारे में बताया जाता है। ऐसी ही सामुद्रिक शास्त्र और वाराही संहिता में व्यक्ति के शरीर पर मौजूद अंगों की बनावट, आकार के आधार पर फलित किया जाता है। आपको बता दें कि यहां हम बात करने जा रहे हैं। व्यक्ति के चलने के तरीके से कैसे उसके नेचर और व्यक्तित्व के बारे में जान सकते हैं। साथ ही उस पर किसी ग्रह का प्रभाव ज्यादा है। हमारी इस विशेष खबर में आपको पता चलेगा -

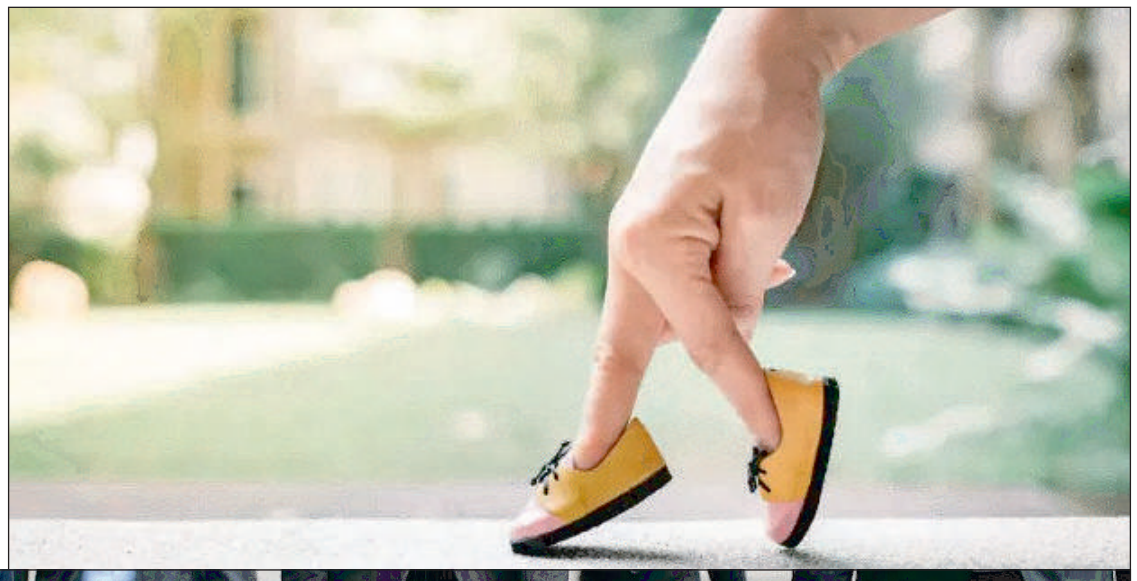

तीन तरीके की चाल है ज्यादा प्रचलित

तेज चलने वाले लोग वाराही संहिता के अनुसार जो लोग तेज चलते हैं उन पर मंगल ग्रह का प्रभाव ज्यादा रहता है। अगर ये लोग किसी काम से निकले हैं, तो इनको वहां पहुंचने की बहुत जल्दी होती है। क्योंकि मंगल ग्रह के प्रभाव से इन लोगों के अंदर एनर्जी बहुत होती है। साथ ही इन लोगों के अंदर आत्मविश्वास भी बहुत अधिक होता है। ये लोग साहसी और निडर भी होते हैं। ये लोग रिस्क भी लेना जानते हैं और व्यापार में अपनी इस खूबी से खूब धन भी कमाते हैं। ये लोग विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में शांत बने रहते हैं।

छोटे—छोटे कदम में चलने लोग

छोटे- छोटे कदम से चलने वाले लोगों पर बुध ग्रह का प्रभाव होता है। ये लोग किसी भी काम को बहुत आराम से करते हैं। जिस वजह से कई कामों को ये समय पर पूरा नहीं कर पाते हैं। ये लोग शांत नेचर के होते हैं। साथ ही ये थोड़े मजाकिया भी होते हैं। ये लोग लाइफ को अपने तरीके से जीते हैं। साथ ही ये मिलनसार और व्यवहारिक भी होते हैं। इनकी बातचीत की शैली सामने वाले को प्रभावित करती है।

पैर घसीटते हुए चलना

आपने देखा होगा कई लोग पैर घसीटकर चलते हैं। आपको बता दें कि ऐसे लोगों पर राहु और शनि का प्रभाव ज्यादा होता है। ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती है। साथ ही ये लोग रोगी भी रहते हैं। ये लोग कंफ्यूज भी बहुत होते हैं। साथ ही इनको अगर कोई कुछ कह दे तो यह बहुत गहराई तक सोचते हैं। इन लोगों का वैवाहिक जीवन भी अच्छा नहीं रहता है।

अकाल मौत के बाद आत्मा कहा जाती है, ये है बड़ा रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी अकाल मृत्यु के बाद आत्मा कहां जाती है यह जानने के लिए हमारे साथ बने रहिये पाठकों , ज्ञान और विज्ञान की रोचक जानकारी देने वाली हमारी वेबसाइट में आपका स्वागत है । प्रिय मित्रों जन्म और मृत्यु यही दोनों इस पृथ्वी लोक के लिए अमर हैं । इस पृथ्वी लोक पर जो भी प्राणी जन्म लिए हैं सभी अपने अभिनय के रूप में कर्म करने आए हैं । आपके अभिनय के मध्यम से कर्म भी बनता है जैसे जिस के कर्म है उसी के अनुसार उसे फल भी दिया जाता है । ईश्वर ने इंसान को इतना बुद्धि दिया है कि किसी भी चीज को रिसर्च करके अनुमान लगा सकते हैं मगर किसी के जन्म और मृत्यु कब होंगे यह तो कोई नहीं बता सकते हैं । क्योंकि जो चीज ईश्वर ने तय करके रखते हैं उसका सामना करना एक इंसान के लिए नामुमकिन है ।

जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है और इससे न कोई आज तक बच पाया है और न ही बच पाएगा। सभी की मौत एक न एक दिन निश्चित है। हालांकि मृत्यु कई तरह से आती है। कोई व्यक्ति आनंद से मृत्यु पाता है। कोई अत्यंत दुखी होकर इस लोक से विदा लेता है, तो वहीं सबसे भयानक मृत्यु अकाल मृत्यु मानी जाती है। आत्महत्या, गंभीर बीमारी या कोई हादसा, यह सब अकाल मृत्यु के कारण बनते हैं। आपको बता दें कि गरुड़ पुराण में अकाल मृत्यु से जुड़े कई रहस्य बताए गए हैं। अकाल मृत्यु के कारणों की बात करें तो इसमें पाप करना, दुराचार, स्त्रियों का शोषण, झूठ बोलना, भ्रष्टाचार व कुकर्म आदि शामिल है। बहुत अधिक पाप करने पर व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है आत्मा के भटकने का रहस्य

आत्मा का भटकना उसकी इच्छाओं पर निर्भर है। यदि आत्मा मृत्यु को स्वीकार नहीं करती, ऐसे में वह भटकती है। ऐसी आत्माओं का हश्र भी बहुत बुरा होता है। कभी किसी दुष्ट तांत्रिक की ग़ुलाम बन जाती है, कभी दुसरे शक्तिशाली प्रेतों की ग़ुलाम।

ऐसे में बुरे कर्म इनसे करवाये जाते है, और ऐसी आत्माएं फिर मुक्ति के मार्ग पर लौट कर नहीं आ सकती। हाँ, यदि कोई अच्छा साधक इनकी मुक्ति करवाएं, तो अवश्य ही अनेक योनि में जन्म ले यह वापस जन्म मरण के बंधन से कर्मों द्वारा मुक्ति पाने के लिए स्वछंद हो जाती है। इसलिए कहा जाता है जीते जी अपनी इच्छाओं का त्याग कर दो, ताकि यह आत्मा मृत्यु को स्वीकार सके। अन्यथा मृत्यु समय से हो या असमय से, आत्मा भटकेगी जरूर, और संकट उसके मार्ग में आएंगे।

हमारी अगली कड़ी में होगी एक और रोचक जानकारी।

डॉक्टर भावना गोयल और डॉक्टर अलका गोयल का इको फ्रेंडली अंगोरा-लायोसेल फैब्रिक" हुआ पेटेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पंतनगर , 9 जनवरी , गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा विकसित "फैशन परिधान के लिए इको फ्रेंडली वरदान अंगोरा-लाओसेल फैब्रिक" का भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा आज पेटेंट प्रमाण पत्र जारी हो गया है।

सचिव,उन्नति महिला एवं प्रशिक्षण समिति, देहरादून व पोस्ट डॉक्टरल, वूमेन साइंटिस्ट,डॉक्टर भावना गोयल ने बताया कि इस कपड़े का आविष्कार, उत्तराखण्ड राज्य के सुदूरवर्ती राज्यों में रहने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, देश की अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में अपना योगदान देगा। इस कपड़े का व्यवसायिक उपयोग उत्तराखंड के सुदूरवर्ती राज्यों कि अंगोरा व्यवसाय आधारितकम्युनिटी के लिए वरदान साबित होगा ।यह कपड़ा पूरी तरह इकोफ्रेंडली है ।

इसे बनाने में किसी भी रसायनों का प्रयोग नहीं किया गया है। भविष्य में इस कपड़े का व्यवसायिक उपयोग, वस्त्र उद्योग में कृत्रिम रसायनों के बढ़ते उपयोग और कृत्रिम कपड़ों के कारण से होने वाले वातावरण प्रदूषण को रोकने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह कपड़ा सॉफ्ट, सुंदर, मजबूत व खूबसूरत होने के साथ-साथ कम लागत से भी तैयार किया गया है। जिसके कारण यह कपड़ा जन जन तक पहुंचने में समर्थ है। इस शोध कार्य को डॉक्टर भावना गोयल व डॉक्टर अलका गोयल ने गहन शोध के बाद विकसित किया है। पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने दोनों वैज्ञानिकों के उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की है और इस कामयाबी पर विश्वविद्यालय में ख़ुशी का महल देखा जा रहा है।

संपादकीय

नक्सलवाद पर लगाम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में बड़ी कमी आयी है तथा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों का दायरा भी बहुत घटा है. उन्होंने संकेत दिया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया जायेगा. साल 2009 में देश में नक्सली हिंसा की 2,258 घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2021 में उनकी संख्या 500 के आसपास आ गयी. पिछले वर्ष के प्रारंभ में सरकार ने संसद में बताया था कि वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की तादाद 2010 में 96 थी, जो 2021 में घटकर 46 हो गयी है. माओवादी हिंसा में भी 70 फीसदी की गिरावट आयी है. वर्ष में ऐसी हिंसक घटनाओं में 1,005 मौतें हुई थीं, लेकिन 2021 में इसमें बड़ी कमी आयी और मौतों की संख्या 147 के स्तर पर आ गयी. उल्लेखनीय है कि 2015 में मोदी सरकार ने वामपंथी अतिवाद को समाप्त करने की ठोस नीति का निर्धारण किया था. नक्सल प्रभावित जिलों के विकास को प्राथमिकता देना उस नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा था. जनजातीय विकास कार्यक्रमों के लिए 2014 में 21 हजार करोड़ रुपये का विशेष आवंटन किया था, जो पिछले बजट में 83 हजार करोड़ रुपये हो गया. विकास कार्यक्रमों की वजह से उन जिलों के बाशिंदों, जो अधिकतर जनजातीय समुदायों से हैं, को आवश्यक सेवाओं और सुविधाओं के साथ बेहतर जीवन के लिए संसाधन उपलब्ध होने से उनका भरोसा सरकार में बढ़ा तथा उन्हें यह अहसास भी हुआ कि वामपंथी अतिवाद विकास विरोधी है. इससे माओवादियों के जन-समर्थन में व्यापक कमी आयी है. साथ ही, बड़ी संख्या में नक्सलियों को या तो मारा गया है या उन्हें हिरासत में लिया गया है. सरकार ने नक्सलियों को यह मौका भी दिया है कि वे आत्मसमर्पण करें और देश की मुख्यधारा में शामिल हों. सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने यह भी सुनिश्चित किया है कि माओवादियों को देश के भीतर या बाहर से न तो हथियारों की आपूर्ति सके तथा न ही उन्हें किसी तरह की वित्तीय मदद मिल सके. इस संबंध में निर्धारित नीति में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भी मामलों को देने का प्रावधान है. सितंबर, 2021 में अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में माओवादी समूहों की आय के स्रोतों को खत्म करने पर विशेष बल दिया गया था. उस बैठक में कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ नक्सल समस्या का सामना कर रहे अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तथा सुरक्षा बलों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा बल और वायु सेना के हेलीकॉप्टरों को उपलब्ध कराने की नीति भी है.

कम्पनी में पडी डकैती का हरिद्वार पुलिस ने किया 12 घंटे के भीतर खुलासा

बदमाश ले उड़े थे 40,00,000/- से अधिक का माल : अजय सिंह, एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 9 जनवरी। एक दिन पहले ही बदमाशों द्वारा सिड़कुल स्थित फाईन ओटोमेटिव कम्पनी में घुसकर 4 गार्डों को मारपीट कर बन्दी बनाने तथा हथियारों के दम पर कम्पनी से करीब 40 लाख रुपये के एल्युमिनियम रेडियेटर एवं एल्युमिनियम का अन्य सामान लूटकर भागने के सम्बन्ध में विवेक कुमार द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना सिडकुल में दर्ज केस का पुलिस टीम ने 12 घंटे के भीतर खुलासा करने में कामयाबी हासिल की है।

अपराध को गंभीरतापुर्वक लेते हुए एसएसपी अजय सिंह के निर्देशन में अलग अलग पुलिस टीमें गठित करने हुए प्रकरण के जल्द खुलासे के निर्देश जारी किए गए थे।इस दौरान जांच में जुटी पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर संदिग्ध आसिफ उर्फ पुष्पा तथा फरमान को नाजायज 315 बोर तमंचा, कारतूस व चाकू के गिरफ्तार किया गया।

टीम द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा कम्पनी में हुई डकैती में शामिल होने की बात स्वीकार की। इस दौरान अभियुक्तों की निशांदेही पर आसिफ के कबाड के गोदाम पर छापेमारी कर अभियुक्त गुड्डू, अमजद को दबोचते हुए ओटोमेटिव कम्पनी से लूटा गया पूरा सामान बरामद किया गया। मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हुए तीन अन्य अभियुक्तों को तलाश की जा रही है।

अपराध करने का तरीका–

गिरफ्तार अभियुक्त आसिफ उर्फ पुष्पा अभियुक्त गुलफाम उर्फ फाना के साथ मिलकर बन्द पडी कम्पनियो की रैकी करते थे एवं सीसीटीवी कैमरा व सुरक्षा कर्मियो की संख्या की जानकारी करते थे एवं अभि0 गुलफाम द्वारा अन्य साथियो को इकट्ठा कर आसिफ के गोदाम मे रुकवाकर घटना करने का समय निश्चित कर धुंध व कोहरे का फायदा उठाकर कम्पनी मे घुसकर गार्डो को तमंचे व चाकू की नोक पर मारपीट कर बन्दी बनाकर कम्पनी से माल को रेडे के जरिये अपने गोदाम मे डम्प कर देते थे आसिफ खरीददार की तलाश कर सही दामो पर माल को बेचने का प्रयास करते था एवं अन्य साथी अपने अपने ठिकानो पर चले जाते थे।

आपराधिक इतिहास

अभियुक्त फरमान थाना सिड़कुल में दर्ज चोरी एवं नकबजनी में पूर्व में जेल जा चुका है। अभियुक्त गुलफाम हत्या सम्बन्धित मुकदमें में पूर्व में जेल जा चुका है। अन्य अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

ठंड ने बंद कराये स्कूल 14 जनवरी तक छुट्टी घोषित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। उत्तराखंड के सचिव रविनाथ रमन और डीजी शिक्षा बंसीधर तिवारी ने एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश में ठण्ड और कोहरे की वजह से स्कूल 14 जनवरी तक बंद रखे जायेंगे। इसके लिए आदेश भी जारी कर दिए गए हैं और उन्होंने स्कूल प्रबंधन से अपील की है कि इस आदेश को पूरी तरह से लागू करना भी सुनिश्चित करें। आपको बता दें कि सभी सरकारी / प्राइवेट स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

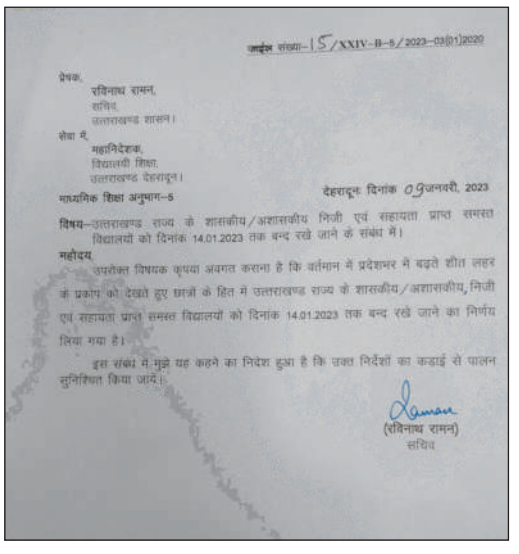

आदेश संख्या–15/XXIV-B-5/2023–03(01)2020

प्रेषक,
रविनाथ रामन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
महानिदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग–5

देहरादून: दिनांक 09 जनवरी, 2023

विषय–उत्तराखण्ड राज्य के शासकीय/अशासकीय निजी एवं सहायता प्राप्त समस्त विद्यालयों को दिनांक 14.01.2023 तक बन्द रखे जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया अवगत कराना है कि वर्तमान में प्रदेशभर में बढ़ते शीत लहर के प्रकोप को देखते हुए छात्रों के हित में उत्तराखण्ड राज्य के शासकीय/अशासकीय, निजी एवं सहायता प्राप्त समस्त विद्यालयों को दिनांक 14.01.2023 तक बन्द रखे जाने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।

(रविनाथ रामन)
सचिव

प्रकृति से छेड़छाड़ का दुष्परिणाम जोशीमठ भू-धसाव : रविंद्र सिंह आनंद

■ वैज्ञानिक तथ्यों को जानने बिना हो रहे विकास कार्य, हो सकते हैं दुष्परिणाम : आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जनवरी , आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर जोशीमठ में हो रहे भू-धसाव पर भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा विकास कार्य कराने में बिना वैज्ञानिक तथ्यों को समझे एवं प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ के कारण यह सब हो रहा है । उन्होंने कहा कि प्रकृति से नियम विरुद्ध छेड़छाड़ एवं बिना सर्वे किए इस प्रकार के विकास कार्य यदि भाजपा द्वारा कराए जाएंगे तो परिणाम भी ऐसे ही आएंगे उन्होंने आरोप लगाया कि देव भूमि उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में अनावश्यक रूप से छेड़छाड़ की गई जिसमें लाखों-करोड़ों पेड़ों को काटा गया सैकड़ों पहाड़ काटे गए सुरंगे निकाली गई जिस कारण यह भू-धसाव हो रहा है ।उन्होंने कहा यह देवभूमि है और यहां देवी देवता वास करते हैं अनावश्यक रूप से की गई छेड़छाड़ के कारण भी देवी आपदाएं आती है भारतीय जनता पार्टी को अपने इस कृत्य पर पूरे देश से माफी मांगी चाहिए क्योंकि उसके कारण भारत की धरोहर जोशीमठ का यह हाल हुआ है और सरकार इससे पल्ला झाड़ती दिख रही है ।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

भारत जोड़ो यात्रा : उत्तराखंड की ज्योति के हौसले को राहुल गांधी ने भी सराहा

> मुझे पैदल इतना लम्बा चले की आदत नहीं थी , अब तक के राजनैतिक जीवन में लक्ष्य और मकसद भी मेरे सामने सबसे बड़ा था । शरीर तो जुड़ गया था दिमाग को भी जोड़ना ज़रूरी था और परिवार के सपोर्ट की वजह से , जब 17 - 18 दिन की यात्रा के दौरान मेरी माँ का एक्सीडेंट हो गया तो मेरे परिवार का मुझे पूरा साथ मिला और उन्होंने मुझे भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े रहने का हौसला दिया। मन में एक संकल्प था कि जिस मकसद और मिशन के लिए हमारे लीडर सड़क पर उतरे हैं उसमें हमे सब कुछ झोंकना होगा और आज दस राज्यों की यात्रा के बाद मुझे संतुष्टि है कि मैं कांग्रेस की समर्पित सिपाही के तौर पर पार्टी के साथ कदम से कदम मिला कर चलते हुए अपने लीडर के कंधे से कंधा जोड़ रही हूँ। हमे भरोसा है हमारा प्यारा भारत भी ऐसे ही जुड़ेगा
> **- ज्योति रौतेला**

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। दुनिया भर में आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा की चर्चा हो रही है। सुर्खियों में है उनकी यात्रा , उनका उभरता व्यक्तित्व और समय-समय पर सामने आ रही रोचक तस्वीरें , लेकिन आज न बात राहुल गाँधी की होगी न यात्रा की कामयाबी की बात करेंगे बात होगी यात्रा के पीछे के उन किरदारों की जो अपने लीडर के साथ दिन रात पसीना बहा रहे हैं।

विपक्ष की सबसे संघर्षशील राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के सड़कों पर उतरते ही अप्रत्याशित कामयाबी की उम्मीद जागने लगी थी। शहर दर शहर जब कारवां आगे बढ़ा तो देश जुड़ता गया। कांग्रेस के युवराज कहे जाने वाले राहुल गांधी अब एंग्री यंग मैन की अपनी छवि से बाहर निकल चुके हैं और संजीदा पॉलिटिशियन के रूप में अपने किरदार को उन्होंने बखूबी देश और दुनिया के सामने पेश कर दिया है। यही वजह है कि जिन जिन राज्यों से भारत जोड़ो यात्रा निकल रही है उसे न सिर्फ लोगों का समर्थन मिलता दिख रहा है बल्कि पार्टी में भी अप्रत्याशित संजीवनी मिलती नजर आ रही है। आखिर भारत जोड़ो यात्रा के साथ जो लोग जुड़े हुए हैं उनका किरदार क्या है ? कौन हैं वो ख़ास लोग ? उनकी जिम्मेदारियां क्या है ? और किस रणनीति के तहत राहुल गांधी भारत को जोड़ने निकले हैं ? यह भी समझना होगा , और अगर आपको इस सवाल का जवाब ढूंढना है तो मिलना होगा उत्तराखंड जैसे छोटे से राज्य की पहाड़ जैसे बुलंद हौसलों की जीवट शख्सियत ज्योति रौतेला से जो अब तक दस राज्यों की यात्रा में अनगिनत अनुभव बटोर चुकी हैं।

उत्तराखंड महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर अपनी पारी का आगाज करने वाली ज्योति रौतेला इन दिनों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर भारत जोड़ो यात्रा का अहम किरदार बनी हुई है। उन्होंने न सिर्फ अपने साथ महिलाओं का बड़ा हुजूम जोड़ रखा है बल्कि अपनी कुशल रणनीति और मिलनसार स्वभाव की वजह से यात्रा के दौरान लोगों से भी अपनेपन और बेहद संजीदगी से मिलकर जनता को यात्रा का उद्देश्य भी समझा रही है।

ज्योति रौतेला भारत जोड़ो यात्रा की उन चुनिंदा और खास लोगों में शामिल है जो टीम राहुल और टीम प्रियंका की भरोसेमंद मानी जाती है और उन्हें लगातार पूरे जोश और जज्बे के साथ यात्रा को संभालते देखा जा सकता है। राज्य दर राज्य बदलते गए , शहर दर शहर कारवां आगे बढ़ता गया लेकिन पार्टी के प्रमुख नेता और टीम लीडर राहुल गांधी के जोश को देखकर ज्योति के भी हौसले बुलंद है। उत्तराखंड की लाखों महिलाएं अपने प्रदेश की इस बेटी का हौसला देखकर काफी उत्साहित नजर आती हैं। जब हमने पहाड़ की महिलाओं से भारत जोड़ो यात्रा और ज्योति रौतेला के इस जुनून के बारे में बात की तो उनका कहना है कि पहाड़ की बेटी किसी भी क्षेत्र में आज किसी से पीछे नहीं है। शिक्षा , रोजगार और राजनीति में उत्तराखंड की बेटियां देश का नेतृत्व करने को हमेशा सक्षम रहती हैं। ऐसे में जब वह अखबार और टीवी और सोशल मीडिया के जरिए ज्योति रौतेला को नेतृत्व के साथ कदमताल करते हुए देखती है तो उनका भी जोश हाई हो जाता है। देहरादून में पार्टी मुख्यालय की महिला कार्यकर्ताओं से जब हमने उनकी टीम लीडर के इस कामयाब यात्रा की बात की तो उनकी भी आंखें चमक उठती है। उन्हें लगता है कि एक सशक्त महिला के तौर पर ज्योति रौतेला पूरे प्रदेश की महिलाओं का यात्रा में नेतृत्व कर रही है।

उन्होनें कहा की राहुल गांधी के द्वारा चलाई जा रही भारत जोड़ो यात्रा आने वाले समय में कांग्रेस को सशक्त बनाने का कार्य करेगी कार्यकर्ताओं ने उत्साह देखने को मिल रहा है उन्होंने कांग्रेस की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए राहुल गांधी के द्वारा चलाई जा रही भारत जोड़ो यात्रा की सफलता पर चर्चा करते हुए बताया कि भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है और आम जनता में विश्वास पैदा हुआ है उन्होंने भाजपा और आम आदमी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए स्पष्ट कहा आम आदमी पार्टी अवसर बाद की राजनीति करती है और भाजपा एक दूसरे को आपस में लड़ा कर भाईचारे को खत्म करने का कार्य कर रहे हैं. जिससे देश में अराजकता का माहौल है और आने वाले समय में कांग्रेस सशक्त होकर देश की तरक्की और देशवासियों की सेवा करने को सबसे आगे नज़र आएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल व्यवसायी भवनों पर टैक्स लगाना उचित नहीं : कांग्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 जनवरी। देहरादून में कांग्रेस पार्षदों के दल के प्रतिनिधि मंडल नें देहरादून में क्षेत्रवासियों को हो रही समस्याओं से अवगत कराते हुए नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून को ज्ञापन दिया है। शिकायती ज्ञापन में कहा गया है की राज्य सरकार की ओर से नगर निगम के अंतर्गत शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायिक भवनों पर फिर से हाउस टैक्स लगाने की तैयारी चल रही है। जबकि इससे पहले राज्य सरकार ने नगर निगम के सीमा विस्तार में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में कमर्शियल टैक्स में छूट दे दी गई थी। लेकिन फिर से राज्य सरकार व्यवसायिक भवनों में टैक्स लगाने जा रही है। पहले से ही कोरोना काल के चलते व्यवसायियों का कारोबार ठीक नहीं है।

उनके आगे काफी दिक्कत है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल व्यवसाई भवनों पर टैक्स लगाना उचित नहीं है तथा मलिन बस्तीयों का जो टैक्स पिछले 3 सालों से नहीं लिया जा रहा है वह लिया जाए।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल नें कहा की बिंदाल नदी भी अतिक्रमण की जद में है जिससे भविश्य में कीसी अनहोनी की आषंका ना हो तथा अतिक्रमण होनें से रोका जाए। नेताओं ने कहा की नगर निगम की ओर से 100 वार्डों में खाली पड़े पोलों में स्ट्रीट लाइट लगाई जानी है। पूर्व विधायक राजकुमार,ने कहा है कि उनकी मांग है कि वार्डों जरूरत के मुताबिक स्ट्रीट लाइट लगाए जाए, ताकि किसी तरह का भेदभाव ना हो पाए। तथा कुछ वार्डों में काफी संख्या में बिजली के पोल खाली हैं और उन पर स्ट्रीट लाइट नहीं है। ऐसे में पहले प्राथमिकता के आधार पर उन वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाई जाए। जहां ज्यादा पोल खाली है। ज्ञापन देने में पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नीनू सहगल, पार्शद रमेष कुमार मंगू, आनन्द त्यागी, हुकम सिंह गडिया, अर्जुन सोनकर, निखिल कुमार, अमित क्षेत्री, अमित भण्डारी, मुकेष सोनकर, महेन्द्र सिंह रावत, मुकिम अहमद, अरूण षर्मा, नागेष रतूडी, सोमप्रकाष बाल्मिकी, सुनील बांगा, भावन डोरा, राजू

प्रजापति, पियुष जोशी, रामकपूर, अजीत सिंह, जहॉगीर खान, सुल्तान अहमद, नीरज नेगी, सुभाश धस्माना, आषीश रतूडी, सिद्धार्थ वर्मा, सुरेष कुमार, अषोक कुमार, राजेष चंदेल, उशा रानी, ओमी यादव, संजय काला, मुकेष शर्मा, हरेन्द्र चौधरी आदि मौजूद रहे।